بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ نَحۡمَدُہٗ وَنُصَلِّیۡ عَلٰی رَسُوۡلِہِ الۡکَرِیۡمِ وَعَلٰی عَبۡدِہِ الۡمَسِیۡحِ الۡمَوۡعُوۡد
لَا اِلٰہَ اِلَّا اللّٰہُ مُحَمَّدٌ رَّسُوۡلُ اللّٰہِ
دفتر مجلس انصاراللہ بھارت
Office Of The Majlis Ansarullah Bharat
Mohallah Ahmadiyya Qadian-143516, Distt.Gurdaspur (Punjab) INDIA
Mob.9682536974.E-Mail :ansarullah@qadian.in Khulasa Khutba-04.08.2023 محلہ احمدیہ قادیان ۱۴۳۵۱۶ ضلع گورداسپور (پنجاب)

जलसा सालाना बर्तानिय: के हवाले से अल्लाह के फ़ज़्लों का ईमान वर्धक वर्णन।

सारांश ख़ुत्बः जुम्अः सय्यदना अमीरुल मोमिनीन हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद ख़लीफ़तुल मसीह अल-ख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़, बयान फ़र्मूदा 04 अगस्त 2023, स्थान मस्जिद मुबारक इस्लामाबाद यू. के.।

أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلٰهَ إِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيْكَ لَهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُوْلُهُ

امّا بعد فاعوذ باللہ من الشیطٰن الرجیم۔ بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ

اَلۡحَمۡدُ لِلّٰہِ رَبِّ الۡعَالَمِیۡنَ ۔ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ ۔ مٰلِکِ یَوۡمِ الدِّیۡنِ ۔ اِیَّاکَ نَعۡبُدُ وَ اِیَّاکَ نَسۡتَعِیۡنُ ۔ اِہۡدِنَا الصِّرَاطَ الۡمُسۡتَقِیۡمَ ۔ صِرَاطَ الَّذِیۡنَ اَنۡعَمۡتَ عَلَیۡہِمۡ غَیۡرِ الۡمَغۡضُوۡبِ عَلَیۡہِمۡ وَلَا الضَّآلِّیۡنَ ۔

तशह्हुद तअव्वुज़ तथा सूरः फ़ातिहः की तिलावत के बाद हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ ने फ़रमाया-

अलहम्दुलिल्लाह ख़ुदा तआला के फ़ज़्ल से गत वर्ष की अपेक्षा शामिल होने वालों की संख्या अधिक थी इस पर हम अल्लाह तआला का जितना भी धन्यवाद करें, वह कम है। अल्लाह तआला का उपकार है कि उसने हमारे जलसे को अत्यंत बरकतों से भर दिया। हम तो कमज़ोर हैं और हमारे सारे काम अल्लाह तआला की कृपा से होते हैं। अहमदिया जमाअत तो रोज़ अल्लाह तआला के इस फ़रमान का दर्शन करती है कि यदि तुम अल्लाह तआला की अनुकम्पाओं की गणना करना चाहो तो उनकी गिनती नहीं कर सकोगे।

अतः धन्यवाद देना हमारा काम है अल्लाह तआला के फ़ज़्लों पर उसके आगे झुकते चले जाना हमारा कर्त्तव्य है। जब तक हम अपना यह दायित्व निभाते रहेंगे हमारे क़दम इन्शाल्लााह आगे बढ़ते रहेंगे। अतः जलसे की व्यवस्था करने वाले तथा शामिल होने वाले सबको अल्लाह तआला का आभारी होना चाहिए।

अब मैं कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद देना चाहता हूँ। सब कार्यकर्ताओं ने बड़े सुन्दर रंग में अपने दायित्वों को निभाया। मुस्कुराते हुए विशेष रूप में अपनी ड्यूटियों का निर्वाह किया। खाने की व्यवस्था में लजना की ओर जो शिकायत पैदा हुआ करती थी वह भी इस बार लगभग न होने के

बराबर थी। इसी तरह ट्रैफ़िक, खाना पकवाई, रोटी प्लांट, सैक्यूरिटी, सफ़ाई तथा सबसे बढ़ कर एम.टी.ए. है जिसने इस बार नई शैली में पूरे विश्व को जलसे के साथ जोड़ा। समस्त विभाग जिनके मैंने नाम नहीं लिए, सबका मैं आभार प्रकट करता हूँ। ग़ैर जो बाहर से आए हुए थे, उन्होंने जलसे के विषय में जिन विचारों को अभिव्यक्त किया उनमें से कुछ पेश कर देता हूँ।

बर्कीनाफ़ासों के प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ ने कहा कि हज़ारों लोग एक संयुक्त उद्देश्य के लिए, एक स्थान पर, एक धार्मिक लीडर के निकट जमा हैं। इतना विस्तृत प्रबन्ध मेरे लिए आश्चर्य जनक है।

अमरीका के विख्यात क़ानून के माहिर प्रोफ़ैसर हैं, उन्होंने कहा कि मैंन दुनिया भर में ऐसे समारोह को स्वयं भी आयोजित किया है, जहाँ रजिस्ट्रेशन की काररवाई भी होती है परन्तु जलसा सालाना पर जिस व्यवस्थित रूप में रजिस्ट्रेशन की कार्यवाही को अंजाम दिया जा रहा था, वह चकित करने वाला दृश्य था।

बेलीज़ के एक नगर के मेयर आए हुए थे, वे कहते हैं कि मैंने अपने जीवन में कभी इतने शांति प्रिय लोग नहीं देखे। मैंने जो रूहानी तथा बन्धुत्व का वातावरण यहाँ देखा वह मेरे लिए आश्चर्य पूर्ण है।

इन्डोनेशिया से धार्मिक मामला के पव मंत्री कहते हैं कि आपका नारा मुहब्बत सबके लिए नफ़रत किसी से नहीं, ऐयरपोर्ट से लेकर पूरे जलसे में मैं देखता रहा।

गैम्बिया के सूचना मंत्री जलसे में शामिल हुए, वे कहते हैं- मैं जलसा सालाना की पूरी व्यवस्था से अति प्रभावित हुआ, इतने बड़े समागम में लड़ाई झगड़े की एक भी घटना देखने में नहीं आई। एक और बात जो मैंने अनुभव की, वह जमाअत के दोस्तों का अपने इमाम स मुहब्बत का सम्बंध है, इसका उदाहरण दुनिया भर में नहीं मिलता।

ब्राज़ील से आए एक प्रतिनिधि ने कहा कि 118 देशों से आए हुए लोगों का भाईचारे के साथ एक इकट्ठे रहना किसी दूसरे के बस की बात नहीं, सब लोगों का आपस में इस तरह शिष्टाचार, प्रसन्न चित तथा सम्मान पूर्वक मिलना, मुझे बड़ा अच्छा लगा, अतिथियों के लिए यातायात की अच्छी व्यवस्था थी।

स्पेन के प्रतिनिधि मंडल में शामिल एक साहब जो कि एक इतिहासकार हैं, उन्होंने कहा कि आज के दौर में अहमदिया जमाअत साहस एवं शौर्य तथा संघर्ष का अमली नमूना क़ायम किए हुए है। इटली के एक पत्रकार ने कहा कि मैंने जलसे के बारे में पहले भी पढ़ा था परन्तु जलसे में शामिल होना एक अलग ही अनुभव था, जलसे में सर्वाधिक महत्त्व पूर्ण चीज़ जो मैंने देखी वह नमाज़ थी।

सेनेगाल के एक रीजन के गर्वनर कहते हैं कि मैंने ऐसे आपसी स्नेह का कोई दूसरा उदाहरण नहीं देखा। हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम क उद्धरणों ने मुझ पर अति प्रभाव किया। जलसे में हर एक व्यक्ति दूसरे को स्वयं पर प्रमुखता देता है।

कोलम्बिया के एक अतिथि कहते हैं कि मैं यहाँ का शांत वातावरण, बन्धुत्व, प्रेम, वर्तमान ख़लीफ़ः के विवेक पूर्ण सम्बोधन तथा जमाअत के लोगों को देख कर बड़ा प्रभावित हुआ।

चिली से तीन दोस्त आए थे, ये एक ईसाई संस्था के प्रतिनिधि थे। इनमें से एक साहब ने कहा कि आपकी जमाअत एक शरीर की भांति है, ख़लीफ़-ए-वक़्त इस शरीर का सिर और मस्तिष्क है तथा शेष जमाअत एक शरीर के अंगों की भांति है जो मस्तिष्क के सिगनल तथा संकेत के आधीन कार्य कर रहे हैं।

स्पेन से एक ज़ेर तबलीग़ दोस्त कहते हैं कि इस जलसे में मुझसे राजाओं से बढ़ का व्यवहार किया गया। अहमदी स्वयं सेवकों का चालीस हज़ार से अधिक अतिथियों की अनथक सेवा करना, एक चमत्कार है। निःसन्देह इस जलसे के माध्यम से मैं ख़ुदा तआला से जुड़ा हूँ।

कैनेडा से एक विधान सभा के मेम्बर कहते हैं कि जलसे में आना मेरे लिए शानदार बात थी। इस जलसे से अपने धर्म से वफ़ादारी तथा स्वयं सेवा करने की सीख मिलती है।

तुर्की से प्रिंटिंग प्रेस के कुछ मालिक आए हुए थे, उनमें से एक डायरैक्टर कहते हैं कि इतने बड़े इज्तिमा को जिस निपुणता के साथ आपने आयोजित किया वह मेरे लिए आश्चर्य जनक था। कहते हैं कि एक और बात जिसने मुझे चकित किया, वह यह है कि मैंने किसी को सिगरेट पीते नहीं देखा।

लटूया से आने वाली एक सामाजिक कारकुन कहती हैं कि इस जलसे से मुझे इस्लाम के बारे में जानने का अवसर मिला। मैं वापस जाकर क़ुर्आन का अध्ययन करूँगी तथा अपने ज्ञान को व्यापक करने की चेष्टा करूँगी।

टेलीवीज़न पर जलसा देखने वालों की भी कुछ अभिव्यक्तियाँ हैं-

कांगो ब्राज़ावैल से हमारे मुबल्लिग़ ने लिखा कि एक ईसाई दोस्त को जलसे पर आमंत्रित किया गया, समाप्न सम्बोधन सुनने के बाद वे कहने लगे कि यदि दुनिया का हर एक शासन इस शिक्षानुसार अमल करने लगे तो दुनिया से निर्धनता यदि पूर्णतः समाप्त न भी हो तो कम से कम दुनिया में कोई व्यक्ति भी रात को भूखा नहीं सोएगा। जिस तरह इस्लाम के ख़लीफ़ाओं को अपनी जनता की चिंता थी यदि हमारे लीडर भी ऐसी ही चिंता करने लगें तो हमारी दुनिया जन्नत बन जाए।

आयरलैन्ड से एक विश्व शांति के मिश्नरी कहते हैं- समस्त जमाअत के लोग जिनसे मेरी भेंट हुई वे सब नर्म दिल, सज्जन, सेवा के लिए सदैव तत्पर तथा अतिथियों की बड़ी सेवा करने वाले हैं, विश्राम की व्यवस्था अति उत्तम थी।

हैटी के ज्योडीशरी पुलिस के प्रतिनिधि हैं, उन्होंने कहा कि अहमदिया मुस्लिम जमाअत के जलसे में शामिल होकर एक ईसाई होने के बावजूद मुझे धर्म के बारे में बहुत कुछ सुनने का अवसर मिला।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया कि इस तरह अल्लाह की कृपा से अनेक वृत्तांत, टिप्पिणियाँ, अभिव्यक्तियाँ प्राप्त हुई हैं। अल्लाह करे कि इस जलसे के ऐसे परिणाम हों जो अहमदियों के जीवनों को सदैव के लिए अल्लाह तआला से जोड़ने वाले हों। ईमान व विवेक में उन्नति हो और हज़रत अक़दस मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की नियुक्ति को पूरा करने वाले हों।

इसी तरह ग़ैरों पर इसके ऐसे प्रभाव पड़ें जो केवल क्षणिक न हों बल्कि निरन्तर उनकी आँखें खोलने वाले हों।

मीडिया के द्वारा भी जलसे की काररवाई देखी और सुनी गई। अफ़्रीक़ा में चौबीस टी वी चैनल्ज़ ने मेरे पूरे सम्बोधन दिखाए और इस प्रकार चालीस मिलयन से अधिक लोगों ने इन भाषणों को सुना। पत्रकारों के लिए मीडिया सैन्टर का निर्माण किया गया था जहाँ तेईस मीडिया प्रतिनिधियों तथा पत्रकारों ने जलसा सुना और इस तरह वे प्रतिदिन रिपोर्टस तय्यार करते रहे।

सामूहिक रूप से 72 मीडिया रिपोर्टस तय्यार की गईं जो पचास मिलयन लोगों तक पहुंचीं। इकतालीस वैबसाईटस पर समाचारों का प्रसारण हुआ। जलसे के बारे में पन्द्रह निबन्ध समाचार पत्रों में प्रकाशित हुए। विभिन्न टो वी चैनल्ज़ पर चौदह समाचार प्रसारित हुए। रेडियो स्टेशन्ज़ पर 37 समाचारों का प्रसारण हुआ।

अभिप्रायः यह है कि अल्लाह तआला ने हर एक दृष्टि से इस जलसे को बरकत वाला फ़रमाया। अल्लाह तआला सदैव हमें विनय पूर्ण तथा आभारी बन्दा बनते हुए अपना सुधार करने वाला बनाए। आमीन

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ نَحْمَدُهٗ وَنَسْتَعِيْنُهٗ وَنَسْتَغْفِرُهٗ وَنُؤْمِنُ بِهٖ وَنَتَوَكَّلُ عَلَيْهِ وَنَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنْ شُرُوْرِ اَنْفُسِنَا وَمِنْ سَيِّئَاتِ اَعْمَالِنَا مَنْ يَّهْدِهِ اللّٰهُ فَلَا مُضِلَّ لَهٗ وَمَنْ يُّضْلِلْهُ فَلَا هَادِيَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنْ لَّا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَا شَرِيْكَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهٗ وَرَسُوْلُهٗ، عِبَادَ اللّٰهِ رَحِمَكُمُ اللّٰهُ اِنَّ اللّٰهَ يَأْمُرُ بِالْعَدْلِ وَالْاِحْسَانِ وَاِيْتَآءِ ذِي الْقُرْبٰى وَيَنْهٰى عَنِ الْفَحْشَآءِ وَالْمُنْكَرِ وَالْبَغْيِ يَعِظُكُمْ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُوْنَ فَاذْكُرُوا اللّٰهَ يَذْكُرْكُمْ وَادْعُوْهُ يَسْتَجِبْ لَكُمْ وَلَذِكْرُ اللّٰهِ اَكْبَرُ۔

हिन्दी अनुवाद को अधिक सुन्दर बनाने हेतु सुझाव का स्वागत है, समपर्क करें-9781831652

टोल फ्री सम्पर्क अहमदिया मुस्लिम जमाअत क़ादियान-18001032131